

24/1/14

पञ्चावली पत्र ही वकील श्री अनुपमिनी  
वकील श्री को आग 6:00 बजे तक  
शक कर तीन बार आवाज लगवाते गरी  
किन्तु वे अनुपमिनी रहे ही ना ही उका करि  
पतिमिनी उपर आरु पत्र का पत्रमा पत्र  
श्री म्हा पर अस्त हापरी अस्त पत्रे म  
स्वारिम म्हा जाल ही पञ्चावली पत्रमल  
मुगा होम नम्बुपे कर ही पञ्चावली  
वास्तु दखिब ही

सुपखण्ड अधिकारी  
अंराई (अजमेर)

